Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में मंगलवार
सायं 7:00 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में बुधवार
सुबह 5:36 बजे

हल्द्वानी | वर्ष 16 अंक 60 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | मंगलवार, 20 अगस्त 2024

करियर को लेकर बोले सनी कौशल...पेज-3 पर

11 मिनट तक चली बग्वाल में 212 लोग जख्मी

चम्पावत/हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

वाराही धाम देवीधुरा में रक्षाबंधन पर खोलीखाड़ दुबाचौड़ मैदान में पहली बार बग्वाल दो बार खेली गई। 11 मिनट तक चली बगवाल में 212 लोग घायल हुए। घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

चंपावत जिले के वाराही धाम देवीधुरा में रक्षाबंधन पर खोलीखाड़ दुबाचौड़ मैदान में पहली बार बगवाल दो बार खेली गई। 11 मिनट तक चली बगवाल में 212 लोग घायल हुए। घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मां वाराही धाम मंदिर के मुख्य पुजारी महेश तिवारी और पीठाचार्य कीर्ति बल्लभ जोशी ने शंख ध्वनि के साथ बगवाल का शुभारंभ दोपहर 2:05 बजे किया। उत्साह के साथ हाहाहा-हीहीही के शब्दों का उच्चारण करते हुए 2:16 बजे तक बगवाल खेली गई। मौसम खराब होने के बाद भी सीएम पुष्कर सिंह धामी समेत 50 हजार हजार से अधिक दर्शक ऐतिहासिक बगवाल के गवाह बने।

सोमवार को खोलीखाड़ दुबाचौड़ मैदान में पहले सभी चारों खामों और सात थोक चम्याल, गहरवाल, लमगड़िया और वालिक के बगवाली वीरों ने मां वज्र वाराही का जयकारा लगाकर मां शक्ति पीठ की परिक्रमा की।

देवीधुरा में एक परिवार की तीन पीढ़ियों ने खेली बग्वाल

हल्द्वानी। देवीधुरा मेले में एक परिवार की तीन पीढ़ियां ने एक साथ खेली बग्वाल खेली। गढ़वाल खाम के बुजुर्ग बग्वाली वीर ग्राम सभा अनरपा (हाल निवासी हल्द्वानी) निवासी बच्ची राम जोशी ने अपने पुत्र मनोज जोशी (निवर्तमान पार्षद)व तथा पौत्र अभिषेक जोशी के साथ बग्वाल में हिस्सा लिया। इस बीच बग्वाल में पार्षद मनोज घायल भी हुए। गढ़वाल खाम की ओर से बग्वाल खेलने वाले बच्ची राम जोशी ने कहा कि बग्वाल खेलना हमारा धर्म और यह हमारे लिए प्रसाद से कम नहीं, यह हमें निरंतर खेलना है और हम खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मां बाराही के दरबार में जाकर शक्ति स्वयं मिल जाती है।

News कॉर्नर

भराड़ीसैंण में आज भाजपा विधानमंडल दल की बैठक

देहरादून। भाजपा विधानमंडल दल की बैठक मंगलवार को भराड़ीसैंण में शाम छह बजे से होगी। बैठक में विपक्ष के हमलों की काट के लिए सत्ता पक्ष के विधायक अपनी रणनीति को धार देंगे। 21 अगस्त से गैरसैंण (भराड़ीसैंण) विधानसभा सत्र का आगाज होगा। वह कानून व्यवस्था, आपदा, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, भू-कानून जैसे मुद्दों पर सत्ता पक्ष को घेरने की तैयारी में है।

हल्द्वानी में रिकार्ड 162.0 एमएम बारिश, आठ सड़कें बंद

हल्द्वानी। नैनीताल जिले में बीते 24 घंटे में हल्द्वानी में रिकार्ड 162.0 एमएम बारिश हुई जबकि कालाढूंगी में 23.0 एमएम, नैनीताल में 13.5 बारिश रिकार्ड की गई। बारिश से जिले में गर्जिया-बेतालघाट, फतेहपुर पीपल-अडिया, कोटाबाग-देवीपुरा, ओखलकांडा-तल्ला तोकनाला, फतेहपुर-बेल, मल्यूटी मोटर मार्ग, नौकुचियाताल-जंगलियागांव व हरीशताल मोटर मार्ग बंद हो गये हैं। इन मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी लगाई गई है। यह जानकारी जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी की गई है।

...संबंधित खबर पेज 2 पर

सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल-पुलिस जांच पर उठाए सवाल

डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले में टास्क फोर्स के गठन का ऐलान

नई दिल्ली
एजेंसी

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि ये सिर्फ एक मर्डर का मामला नहीं है। हमें डॉक्टरों की सुरक्षा की चिंता है। बेंच ने कहा कि महिलाएं सुरक्षा से वंचित हो रही हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने पीड़िता की पहचान उजागर करने को लेकर भी नाराजगी जाहिर की।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई शुरू हो गई। शीर्ष अदालत ने जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या और अस्पताल में तोड़फोड़ के मामले पर स्वतःसंज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल रहे। बेंच ने इस मामले में पीड़िता की पहचान उजागर होने पर चिंता जाहिर की। साथ ही केस में पुलिस जांच से लेकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका तक पर सवाल उठाए। कोर्ट ने मामले में आठ सदस्यीय टास्क फोर्स के गठन का फैसला किया। इसमें एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवासन के अलावा कई और डॉक्टरों का नाम शामिल किया गया। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि ये सिर्फ एक मर्डर का मामला नहीं है। हमें डॉक्टरों की सुरक्षा की चिंता है। बेंच ने कहा कि महिलाएं सुरक्षा से वंचित हो रही हैं। बेंच ने कहा कि आखिर ऐसे हालात में डॉक्टर कैसे काम करेंगे। हमने देखा है कि उनके लिए कई जगहों पर रेस्ट रूम तक नहीं होते।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर महिलाएं काम पर नहीं जा पा रही हैं और काम करने की स्थितियां सुरक्षित नहीं हैं तो हम उन्हें समानता से वंचित कर रहे हैं। ज्यादातर युवा चिकित्सक 36 घंटे काम करते हैं, हमें काम करने की सुरक्षित स्थितियां सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने की जरूरत है।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

देहरादून
हमारे संवाददाता

एसआईटी में नियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घटना के सभी पहलुओं पर गहन जांच कर घटना में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी एवं सुसंगत साक्ष्यों को एकत्र किया जाए।

आईएसबीटी में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले की जांच अब एसआईटी करेगी। एसएसपी ने पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि आईएसबीटी पर किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म की घटना की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। इसमें पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार को प्रभारी बनाया गया है। एसआईटी ने दिल्ली से देहरादून तक बस चलने से लेकर बीच में रुकने वाले ढाबों व आईएसबीटी तक की फुटेज लेने के लिए सर्विलांस टीम को लगा दिया है।

इसके साथ ही एसआईटी जल्द ही साक्ष्यों को पुख्ता करने के लिए आरोपियों की कस्टडी रिमांड ले सकती है। एसएसपी अजय सिंह ने एसआईटी में नियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घटना के सभी पहलुओं पर गहन जांच कर घटना में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी एवं सुसंगत साक्ष्यों को एकत्र किया जाए। इनके आधार पर न्यायालय में भी ठोस पैरवी की जाए। एसएसपी एसआईटी की कार्यवाही की हर दिन समीक्षा करेंगे। आईएसबीटी में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के पांचों आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। आईएसबीटी पर मुरादाबाद की किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने शनिवार को मुकदमा दर्ज किया था। हालांकि यह घटना 12 अगस्त की रात की है। घटना के बाद पहले राजकीय बालिका निकेतन की काउंसलिंग हुई, इसमें खुलासा होने पर शनिवार को मुकदमा किया गया।

आज भी जमकर बरसेंग मेघ देहरादून समेत कई जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

मौसम वैज्ञानिकों ने हिदायत देते हुए कहा, पर्वतीय जिलों में तेज बारिश के दौरान दिन के साथ रात के समय भी सतर्कता के साथ रहें।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में आज भी भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़ और ऊधमसिंह नगर जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अन्य जिलों में भी कई दौर की तेज बारिश होने के आसार हैं। देहरादून में भारी बारिश होने से गदेरे

और नदियां उफान पर आ गईं। जिले में एसडीआरएफ ने तीन अलग-अलग स्थानों पर रेस्क्यू अभियान चलाकर गाजियाबाद के आठ पर्यटक समेत 24 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

गदरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोर गिरोह का पर्दाफाश

रुद्रपुर
हमारे संवाददाता

थाना गदरपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोर गिरफ्तार किए हैं। दोनों के कब्जे से चुराए सोने चांदी के जेवरात समेत नगदी बरामद की है। सोमवार को एसपी काशीपुर अभय सिंह ने गदरपुर थाने में खुलासा करते हुए बताया कि

8 अगस्त 24 को वेद प्रकाश अरोडा पुत्र लेखराज कक्कड निवासी वार्ड 6 आवास विकास गदरपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 5 अगस्त 24 को वह अपने परिवार सहित किसी कार्य से बाहर गये थे।

चोरों ने घर का ताला तोडकर घर मे रखे लाखों रूपये कैश और सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। एसपी काशीपुर ने बताया कि गदरपुर पुलिस से साथ ही काशीपुर एसओजी

टीम को खुलासे में लगाया गया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास एवं संदिग्धों के आने जाने वाले रास्तों पर लगे लगभग 600 सीसीटीवी कैमरो का अवलोकन किया।

उन्होंने बताया कि पुलिस 18 अगस्त को सकैनियां मोड अब्दुल्ला नगर के पास बाईक पर दो संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने बाईक पर दोनों को घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान दोनों ने बोबी पुत्र भौंराज सिंह निवासी शाबाद रोड सरिया मिल मौह्ल्ला बाजार थाना बिलारी जिला मुरादाबाद,विजय सिंह पुत्र रामकुंवर निवासी ग्राम धनुपुरा तुर्कखेडा थाना बिलारी जिला मुरादाबाद यूपी बताया। उन्होंने बताया कि बोबी तथा विजय सिह से 2,47,000/, 2,45,000/- कुल 4,92,000/- रूपये तथा एक पासबुक व एक आधार कार्ड बरामद किया। पुलिस की सख्ती के बाद बरामद रूपये तथा सामान 5 अगस्त की रात आवास विकास गदरपुर से चोरी का बताया। पुलिस ने दोनो की निशादेही पर घटना में चोरी गये आभूषण भी बरामद किए। एसपी काशीपुर ने बताया कि दोनों को कार्रवाई के बाद कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने जेल भेज दिया। एसपी काशीपुर ने बताया कि बाबी का अपराधिक रिकॉर्ड भी मिला है।

पुलिस टीम में थानाध्यक्ष गदरपुर जसवीर सिह चौहान,एसआई बसन्त प्रसाद,एसआई मुकेश मिश्रा,प्रकाश चन्द्र, प्रभारी एसओजी काशीपुर,हेड कांस्टेबल विनय कुमार,एसओजी काशीपुर, मोहन बोरा, कुलदीप, प्रदीप कुमार बलवन्त सिंह,दर्शन सिंह, थाना गदरपुर,रवि पासवान, तकनीकी सहायक गदरपुर आदि शामिल रहे।

तपोवन के पास जंगल में फटा बादल, दमुवाढूंगा में तबाही

15 कारों में मलबा घुस गया, लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला

50 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, पांच ने बमुश्किल बचाई जान

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

तपोवन के पास बादल फटने के कारण देवखड़ी नाले ने कृष्णा विहार,देवकी विहार, गायत्री कॉलोनी में भयंकर तबाही मचाई। नाला टूटने से 70 घरों में मलबा घुस गया। बड़े-बड़े पत्थर लोगों के घरों में घुस गए। दो बसें आधी मलबे में दब गई। 15 कारें बह गई। उधर बटाईदार की झोपड़ी नाले टूटने के कारण बह गई। पांच सदस्यों ने बड़ी मुश्किल से जान बचाई। उधर घरों में पानी घुसने से लोगों का करीब 50 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हो गया।

सोमवार शाम 6:45 बजे देवखड़ी नाला टूट गया। नाले का पानी और मलबा लोगों के घरों में घुसने लगा। डेढ़ घंटे में नाले का पानी मलबा, बोल्डर सहित 70 घरों में घुस गया। लोग जान बचाने के लिए छत में भागे।

जब तक पानी कम नहीं हुआ। लोग घरों की छत में ही बैठे रहे। बारिश का पानी कम होने के बाद जब लोग घरों से उतरे तो मंजर खौफनाक था। घरों में दो-दो फिट मलबा घुस गया था। लोगों के घरों में रखा सामान, फ्रिज, कूलर आदि खराब हो गए। सड़कें एक से पांच फिट मलबे में दब गई।

लोगों की घरों की भूमिगत टंकी मलबे से भर गई। बारिश रुकने के बाद लोग अपना सामान निकालने में लगे रहे।

उधर वन विभाग फतेहपुर रेंज के वनक्षेत्राधिकारी केएल आर्या ने बताया कि कक्ष संख्या 13 तपोवन के पास बादल फटने के कारण ये हाल हुए हैं। कहा कि आधे घंटे में करीब 120 एमएम बारिश हुई है।

दीवारों पर जाकर रुके वाहन

देवखड़ी नाले के उपर पहाड़ है। इसके नीचे लोगों के घर हैं। जब नाला टूटा तो उसके पास नीचे दो बस खड़ी थी। ये बस आधे मलबे में दब गई। सड़क पर पांच फिट मलबा आ गया। उधर 15 कारों में मलबा घुस गया। लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पानी और मलबे के कारण सड़क पर खड़ी कार और बाइकें बह गई। लोगों ने बताया कि 15 वाहन बहे। बाद में ये वाहन किसी की दीवार तो कोई मोड़ पर जाकर रुका।

लोगों ने लगाया वन विभाग पर आरोप

विवेक बृजवासी ने आरोप लगाया कि जिस समय वन विभाग नाले को साफ कर रहा था तो उन्होंने अपने खेत से जेसीबी को नाले तक जाने का रास्ता दिया। उस समय हमने वन विभाग से कहा कि यहां पर तार के जाल और पत्थर लगा दो वे नहीं माने। कहा कि वन विभाग की लापरवाही से उनके पूरे धान बह गए। खेत में मलबा घुस गया। उनके बटाईदार की झोपड़ी और पूरा सामान बह गया। उनके परिवार ने बमुश्किल जान बचाई।

बस के आड़ में बच गए कई घर, पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त

बस ने मलबे को काफी हद तक लोगों के घरों में घुसने से बचाया। नाला टूटने के जिस स्थान पर बस खड़ी थी। बस के कारण मलबा बस के आसपास रुक गया। बसें आधी मलबे से दब गई। नाले के बगल से तीन इंच की पेयजल लाइन आ रही है। ये नाला टूटने के कारण पूरी तरह बह गई। इससे करीब 1200 परिवार के सामने पेयजल संकट पैदा हो गया है।

वर्ष 2012 में देखा था ऐसा ही मंजर

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

हल्द्वानी के गायत्री कॉलोनी में कई घरों में पानी, मलबा और कीचड़ घुस गया। जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। देर रात मिली जानकारी के अनुसार कॉलोनियों के कई घरों में

आफत
- सड़क पर बोल्डर और काफी मात्रा में पत्थर आए

पानी भर गया है। इसके बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची।

गायत्री कॉलोनी की सड़कें मलबे और पानी से भर गए। देर रात लोग घरों से मलबा निकाल रहे थे।

सड़क पर बोल्डर और काफी मात्रा में पत्थर आए। लोगों ने मोबाइल की टॉर्च के सहारे मलबे से कुछ सामाना बचाने में जुटे। कई कारों में पानी और मलबा घुसा दिखा। जगह-जगह लोग अपने-अपने घरों की सफाई में जुटे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नाला टूट गया है। करीब 150 से 200 मीटर तक नाला पूरा बह गया था और कई जगहों पर पेयजल लाइन टूटी दिखीं। बताया कि वर्ष 2012 में ऐसा ही मंजर देखा था।

एक मकान पांच फिट मलबे में दबा

नाले के पास एक मकान पर भारी मलबा घुस गया। उस मकान के खिड़की तक मलबा भर गया। घर वालों ने बताया कि मलबा और पानी खिड़की से उनके अंदर आ गया। कहा कि थोड़ी देर और पानी नहीं रुकता तो उनका मकान बह जाता। नाला टूटने के कारण सड़क पर भारी मलबा आ गया है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल ने निरीक्षण के बाद बताया कि 30 आदमी लगातार काम करें तो मलबे को सात दिन में साफ किया जा सकता है।

नोट
समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक: स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक **श्रीमती आदेश अग्रवाल** द्वारा उत्तरांचल दीप प्रेस चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

टिहरी में मूसलाधार बारिश से पुल बहा, पर्यटक फंसे

रुद्रपुर
हमारे संवाददाता

राजधानी दून से सटे टिहरी जिले के सीतापुर में मूसलाधार बारिश होने से अचानक बढ़े नदी के जलस्तर से अस्थाई पुल बहा गया। जिसके चलते नदी में आठ पर्यटक फंसे गए। हालांकि सूचना के बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद पर्यटकों को रस्सी के सहारे सुरक्षित निकाला।

दरअसल, सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के चलते टिहरी जिले के भुद्सी मोटर मार्ग लाल पुल बहने के साथ सड़क का कुछ हिस्सा भी बह गया। जिसके चलते सड़क के उस पार जंगल में बने एक रिजॉर्ट में ठहरे आठ पर्यटक फंसे गए। पुल बहने की सूचना पर्यटकों ने पुलिस को दी।

सूचना मिलने के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रस्सी के सहारे उन्हें सुरक्षित निकाला। उधर मालदेवता नदी का जलस्तर बढ़ने से भी दो मजदूर नदी में फंस गए। जिन्हें एसडीआरएफ

की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला। आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया, लाल पुल गदेरे में पानी बढ़ने से पुलि बह गया। जिसके चलते रिजॉर्ट में रुके पर्यटक अटक गए। एसडीआरएफ की टीम ने सभी को सुरक्षित निकाल लिया है।

जिले भर के कुछ इलाकों में सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आंकड़ों पर नजर डाले तो विकासनगर के बाद मालदेवता में सबसे अधिक बारिश हुई। विकासनगर में 29.5 और मालदेवता में 8.5 एमएम बारिश दर्ज की गई।

प्रदेश के पर्वतीय जिलों में मंगलवार को भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत बागेश्वर, चम्पावत, नैनीताल, पिथौरागढ़ और ऊधमसिंह नगर जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अन्य जिलों में भी कई दौर की तेज बारिश होने के आसार हैं।

रूक-रूक कर हो रही बारिश से नैनी झील का जल स्तर 9.7 फीट पहुंचा

नैनीताल
हमारे संवाददाता

सरोवर नगरी नैनीताल में सोमवार को रुक रुक कर हल्की बारिश हुई। बारिश की वजह से नैनी झील का जल स्तर 9.7 फीट पहुंच गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार (आज) को रेड अलर्ट जारी किया है।

नगर में सुबह ही बारिश का क्रम शुरू हो गया था जो रुक रुककर दिन में कई बार होते रही। इस बीच घना कोहरा ने भी नगर को अपने आगोश में ले लिया। इधर मौसम विभाग ने मंगलवार (आज) को रेड अलर्ट की चेतावनी जारी की है। निदेशक डा.विक्रम सिंह ने नदी,नालों के किनारे व संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वालों को सर्तक रहने की अपील की है। जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है।

जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार नगर का अधिकतम तापमान 20 व न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकत 100 व न्यूनतम 75 प्रतिशत दर्ज की गई ।

अभिमत

सतर्कता व सीख

भारत में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समुदाय विशेष के वोट लेने के लिए हिन्दुओं पर जुल्म ढहा रही हैं, उन्हें जवाब देना चाहिए कि वह स्वयं बंगाली हैं और बांग्लादेश में बंगालियों पर कौन जुल्म कर रहा है? बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने पर पश्चिम बंगाल समेत पूरे भारत के समुदाय विशेष के लोग खुश हो रहे हैं। बांग्लादेश में कपड़े तथा चमड़े के हजारों उद्योग हैं। ब्रांडेड कंपनियों के ज्यादातर कपड़े बांग्लादेश से आते हैं। भारत परिधान आयात करता हैं और जूट, कपास, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रानिक्स सामान निर्यात करता है। बांग्लादेश में हिंसा के कारण प्रतिदिन सैकड़ों करोड़ रुपये का कारोबार ठप पड़ गया है।

विश्व के किसी भी क्षेत्र में युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा का व्यापक प्रभाव होता है। बांग्लादेश में सत्ता पलट से कई देश प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। भारत पर सीधे असर पड़ रहा है। पिछले 15 साल तक शासन करने वाली शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया। इसी के साथ बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले होने लगे। जान बचाकर लोग भारत के असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय में शरण लेने के लिए सीमा का उल्लंघन करके आना चाह रहे हैं। भारत के सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के लिए चुनौती उत्पन्न हो गई है। वर्ष 1971 में युद्ध के दौरान बांग्लादेश से लाखों शरणार्थी भारत आये थे। उत्तराखंड के तराई में हजारों शरणार्थी बसे हुए हैं। ऊधमसिंह नगर में बंगाली शरणार्थियों की आबादी काफी है। उनके रिश्तेदार अभी बांग्लादेश में हैं। सत्ता पलट के बाद भारत में बसे बंगाली शरणार्थियों का चिंतित होना स्वाभाविक है। राज्य सरकार और स्थानीय खुफिया तंत्र (एलआईयू) को सतर्क होने की जरूरत है। पांच दशक पहले वर्ष 1971 में पश्चिमी पाकिस्तान के फौजी तानाशाह ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर जुल्म किया तो शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान ने आंदोलन किया तथा भारत से हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी। भारत ने पूर्वी पाकिस्तान को आजाद कराकर अलग राष्ट्र बांग्लादेश का निर्माण कराया था। इसके बाद शेख मुजीबुर्रहमान समेत उनके परिवार के 14 सदस्यों की हत्या करके सेनाध्यक्ष ने सत्ता संभाली थी। बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के पुत्री शेख हसीना ही जिंदा बची थीं। शेख हसीना ने इस्लामी धर्मावलंबियों के हितों को तरजीह देते हुए 15 साल तक शासन किया। यहां तक कि प्रसिद्ध साहित्यकार तस्लीमा नसरीन को देश से निकाल दिया। तस्लीमा नसरीन भारत में आ गईं। अब बांग्लादेश में आतंकवादी संगठन सक्रिय हो गये हैं। भारत में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समुदाय विशेष के वोट लेने के लिए हिन्दुओं पर जुल्म ढहा रही हैं, उन्हें जवाब देना चाहिए कि वह स्वयं बंगाली हैं और बांग्लादेश में बंगालियों पर कौन जुल्म कर रहा है? बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने पर पश्चिम बंगाल समेत पूरे भारत के समुदाय विशेष के लोग खुश हो रहे हैं। बांग्लादेश में कपड़े तथा चमड़े के हजारों उद्योग हैं। ब्रांडेड कंपनियों के ज्यादातर कपड़े बांग्लादेश से आते हैं। भारत परिधान आयात करता हैं और जूट, कपास, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रानिक्स सामान निर्यात करता है। बांग्लादेश में हिंसा के कारण प्रतिदिन सैकड़ों करोड़ रुपये का कारोबार ठप पड़ गया है। भारत के उद्यमियों ने बांग्लादेश में उद्योग स्थापित किये हैं। बांग्लादेश की राजनीतिक उथल-पुथल से हर कोई चिंतित है।

घोड़ा चालकों ने की घुड़सवारी शुरु करवाने की मांग

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सरोवर नगरी के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक टिफिन टॉप में बीते एक पखवाड़े पूर्व हुए भूस्खलन के बाद प्रशासन की ओर से क्षेत्र में घुड़सवारी पर पूरी तरह से प्रतिबंधित लगा दिया है। घुड़सवारी पर प्रतिबंध लगाए जाने से घोड़ा चालकों के समक्ष रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

बता दें कि ब्रिटिश काल से ही बारापत्थर से लेकर टिफिन टॉप तक चार किलोमीटर के मार्ग पर घोड़ों का संचालन किया जाता है। वर्तमान समय में लगभग 94 घोड़ा चालक पर्यटकों को घुड़सवारी करवाकर अपना रोजगार करते हैं लेकिन बीते दिनों टिफिन टॉप में हुए भारी भूस्खलन के बाद प्रशासन ने इस क्षेत्र में घुड़सवारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

यह निर्णय भूस्खलन के संभावित खतरों को देखते हुए लिया गया है। इस प्रतिबंध के कारण 94 घोड़ा चालकों के सामने रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। घोड़ा चालकों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि उन्हें दो किलोमीटर बारापत्थर से लेकर लेड्सएंड तक मार्ग तक घुड़सवारी करने की अनुमति दी जाए जिससे कि उनकी आजीविका चल सके और पर्यटकों को भी सुविधा मिल सके हालांकि प्रशासन ने अभी तक इस मांग पर कोई निर्णायक प्रतिक्रिया नहीं दी है। सभी प्रभावित घोड़ा चालकों ने एसडीएम को भी ज्ञापन देकर घुड़सवारी शुरु करवाने की मांग की है।

दूसरी ओर घोडा चालक समिति के लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया तो वह अपने घोड़ों के साथ शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करेंगे। मामले में एसडीएम प्रमोद कुमार ने कहा कि टिफिन टॉप में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर लिया गया है। जल्द ही डीएम वंदना सिंह से वार्तालाप करने के बाद कोई ठोस निर्णय लिया जाएगा जिससे घोड़ा चालकों की समस्या का समाधान हो सके।

भीमताल झील में युवक का शव मिलने से शहर में फैली सनसनी

नैनीताल/भीमताल। भीमताल झील में बीते रोज सोमवार को एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया है,जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को भीमताल झील में करीब 25 वर्षीय युवक के शव को स्थानीय बोट चालक ने देखा, जिसकी सूचना उसने तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने स्थानीय बोट चालकों की मदद से झील से शव को किनारे पर पहुंचाया। इसके बाद पुलिस द्वारा शव की पड़ताल की गई लेकिन मृत युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक युवक की उम्र 25 साल के आसपास का बताई जा रही है। युवक का शव तीन-चार दिन पुराना होने की बात कही गई है। पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों से शव की पहचान कराई जा रही है उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को निकालते वक्त भीमताल झील के आसपास स्थानीय लोगों का जमावड़ा लग गया, फिलहाल लोगों द्वारा शव की शिनाख्त की जा रही है।

21 को एससी एसटी समुदाय का होगा धरना प्रदर्शन

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

एससी एसटी समुदाय द्वारा भारत बंद के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए और तैयारियों की समीक्षा करने के लिए अंतिम सभा का आयोजन गोलछा कंपाउंड स्थित भीम आर्मी कार्यालय में किया गया।

सभा में उपस्थित लोगों ने कहा कि 11 सितम्बर को बाजार बंद की घोषणा चंद्रशेखर आज़ाद द्वारा की जाने की सूचना आ रही है यदि 11सितंबर को भी बाजार बंद करवाना पड़ेगा तो बहुत बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, 21 अगस्त को भी बाजार बंद करवाने पर गहन मंथन किया गया विचार करने के बाद लगा कि 15 दिन में दो बार बाजार बंद करवाना असंभव हो जायेगा व्यापार मंडल को मनाना बहुत मुश्किल हो जायेगा इसलिए सभा में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि 21 अगस्त को बाजार बंद नहीं करवाया जायेगा। यदि 11 सितंबर की कॉल भीम आर्मी प्रमुख द्वारा की जाती है तो 11 सितंबर को बाजार बंद करवाना उचित रहेगा, 21अगस्त के कार्यक्रम में 10 बजे से 2 बजे तक बुद्ध पार्क में धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

उसके बाद एक जुलूस बुद्ध पार्क से नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय तक निकाला जायेगा और महामहिम राष्ट्रपति महोदया को एक ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट महोदय के माध्यम से भेजा जायेगा। सभा में जीआर टम्टा, नफीस अहमद खान, इशरत अली, सिराज अहमद, सुंदर लाल बौद्ध, बालकिशन राम, हरीश लोधी, विनोद कुमार बौद्ध, एडवोकेट गंगा प्रसाद, हबीब अहमद आदि उपस्थित थे।

फिल्मी दुनिया

करियर को लेकर बोले सनी कौशल, इंतजार है अमिताभ की जंजीर जैसी फिल्म का

सनी कौशल अपनी हालिया रिलीज फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के लिए तारीफें बटोर रहे हैं। इस फिल्म में वह तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी के साथ नजर आए हैं। इस फिल्म में सनी का अभिनय दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। हालांकि, इससे पहले वो गोल्ड, शिद्दत, हुड़दंग, मिली और चोर निकल कर भागा आदि फिल्मों में काम कर चुके हैं। अभिनेता अभी भी अपने करियर में उस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं, जो अमिताभ बच्चन के लिए जंजीर रही थी। हाल में पीटीआई के साथ एक इंटरव्यू के दौरान सनी कौशल ने साझा किया कि वह अपने करियर में वैसी सफलता मिलने की उम्मीद करते हैं, जैसी अमिताभ बच्चन को फिल्म जंजीर के बाद मिली थी। साल 1973 में रिलीज हुई फिल्म जंजीर को लेकर उन्होंने कहा कि हर अभिनेता की तरह वो भी जंजीर जैसी सफल फिल्म में भूमिका निभाना चाहते हैं, जो उन्हें फिल्मी दुनिया में स्थापित कर देगी। अभिनेता का ये जवाब उनके भाई से जुड़े एक सवाल को लेकर आया था। दरअसल, सनी से पूछा गया था कि क्या वो अपने करियर के लिए उरी वाले पल का इंतजार कर रहे हैं। यह उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक फिल्म को लेकर पूछा गया सवाल था, जिसमें उनके भाई विक्की कौशल नजर आए थे और ये उनके करियर की सबसे सफल फिल्मों में से एक है। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वो इसे जंजीर वाला पल कहेंगे।

जोखिम भरे प्रोजेक्ट लेने की अनुमति

सनी कौशल ने कहा कि सफलता अभिनेताओं को अपने करियर में जोखिम भरे प्रोजेक्ट लेने की अनुमति देती है। उन्होंने कहा कि वो अपने करियर में इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें अभिनय कौशल बेहतर करने में काफी मदद मिली। उन्होंने दिलचस्प जानकारी साझा करते हुए बताया कि एक बार एक कास्टिंग निर्देशक को उनका अभिनय काफी पसंद आया, लेकिन उन्होंने कहा था कि उनकी आंखे बोलती नहीं हैं।

साल भर में विधानसभा के सत्रों को कम दिन चलाने का विरोध

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि, कांग्रेस नियमों और परम्परा के विपरीत सरकार द्वारा साल भर में विधानसभा के सत्रों को कम दिन चलाने का विरोध करते हुए मानसून सत्र के काल को बढ़ाने की मांग करती है ।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली के अनुसार साल में आहूत होने वाले विधानसभा के तीन सत्रों को मिलाकर कम से कम 60 दिन चलाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सालों से सरकार साल भर में कुल मिलाकर 15 दिन भी विधानसभा का सत्र नहीं चला रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गत सालों की भांति इस साल भी अभी तक विधानसभा के सत्र नाम मात्र के लिए चले हैं इन दिनों में शोक वाले दिन भी सम्मलित होते है । नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , विधानसभा के जिन कार्य दिवसों में शोक प्रस्ताव पर चर्चा होती है उस दिन अन्य कोई कार्य नहीं होता है। यशपाल आर्य ने बताया कि गत साल भी विधानसभा के सभी सत्र केवल 8 /10 दिनों चले थे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, इस बार भी कांग्रेस सकारात्मक रजनीति करते हुए जनमुद्दों को उठाएगी। कांग्रेस राज्य में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई, चारधाम यात्रा व्यवस्था में सरकार की नाकामी , आपदा , चौपट क़ानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार , लगातार बढ़ रही दुर्घटनाओं के कारण जन-धन की हानि, जैसे ज्वलंत मुद्दों के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करना था । नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि, कांग्रेस सदन में मिल रहे हर सेकंड का सदुपयोग करते हुए प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को सदन में पुरजोर तरीके से घेर कर जबाबदेह बनाएगी।

News कॉर्नर

मैगड़ीस्टेट में राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा खोलने की मांग

गरुड़ । गोमती घाटी के पंचायत प्रतिनिधियों ने मैगड़ीस्टेट में राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा शीघ्र खोलने की मांग की है। केंद्रीय वित्त मंत्री और अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ के सांसद को भेजे पत्र में गोमती घाटी के पंचायत प्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों के लोगों ने कहा कि गोमती घाटी में किसी भी बैंक की शाखा नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को बैंक संबंधी काम के लिए विकासखंड मुख्यालय जाना पड़ता है। बैंक नहीं होने से घाटी के दिव्यांगों, विधवाओं और वृद्धों को पेंशन लेने गरुड़ बाजार जाने को मजबूर होना पड़ता है। ज्ञापन में उत्तम सिंह, इंद्र सिंह रावत, मदन गिरी गोस्वामी, भरत बिष्ट, महिपाल सिंह, मदन पुरी, हरीश सिंह बिष्ट, कमला देवी आदि के हस्ताक्षर हैं।

दो युवकों को 16.32 ग्राम स्मैक के साथ पकड़ा

अल्मोड़ा । अल्मोड़ा में एसओजी और पुलिस की संयुक्त टीम ने पिथौरागढ़ जिले के दो युवकों को 16.32 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। अल्मोड़ा में एसओजी और पुलिस की संयुक्त टीम ने पिथौरागढ़ जिले के दो युवकों को 16.32 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ अल्मोड़ा कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। अल्मोड़ा के कोतवाल जगदीश चंद्र देऊपा और एसओजी प्रभारी कुंदन रौतेला टीम के साथ चेकिंग अभियान पर थे। लोधिया बैरियर से क़ारब की ओर हल्द्वानी रोड पर टीम को दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। दोनों की चेकिंग की गई तो महिपाल सिंह निवासी ग्राम नैनोली, गंगोलीहाट पिथौरागढ़ के पास से 8 ग्राम और रोहित कुमार निवासी ग्राम पिल्खी गंगोलीहाट, पिथौरागढ़ के पास से 8.32 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

दरिंदगी की शिकार नर्स को न्याय दिलाने को सड़क पर उतरा जनसैलाब

यूएस नगर

हमारे संवाददाता

नर्स को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को सड़क पर जनसैलाब उतर पड़ा। लोगों ने मुख्य बाजार में पैदल मार्च निकाला और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। रुद्रपुर में दरिंदगी की शिकार हुई नर्स को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को सड़क पर जनसैलाब उतर पड़ा। लोगों ने मुख्य बाजार में पैदल मार्च निकाला और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कोलकाता में हुई घटना पर भी आक्रोश जताते हुए महिला सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने की मांग की। सोमवार शाम तराई किसान संगठन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के लोग गल्ला मंडी में एकत्र हुए। यहां से कैंडल मार्च निकाला जाना था लेकिन बारिश के कारण लोगों ने भीगते हुए मुख्य बाजार होते हुए महाराजा रणजीत सिंह पार्क तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान मृतका के परिजन भी शामिल हुए। लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर न्याय की मांग की। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। नर्स के वास्तविक हत्यारों को पकड़ने के लिए सीबीआई जांच होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर में नर्स और कोलकाता में डॉक्टर के साथ दरिंदगी ने पूरे देश को झकझोर दिया। बेटियों को न्याय मिलना चाहिए। तराई किसान संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष तर्जिंदर सिंह विर्क ने कहा कि मृतका के परिजन भी पुलिस के खुलासे से संतुष्ट नहीं है। इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। दोषी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

इस दौरान उन्होंने तहसीलदार दिनेश कुटौला को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें नर्स हत्याकांड की सीबीआई जांच, परिजनों को 50 लाख का मुआवजा और मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की मांग की गई। वहां व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा, युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर, परवेज कुरैशी, सुब्रत विश्वास, अंकित गिरी, संजय आईस, दीपक ठुकराल, असलम, वसीम त्यागी, ललित मटियाली, आकाश कुमार, चेतन, रजत बिष्ट सहित अनेक मौजूद रहे।

बनभूलपुरा हिंसा के दो आरोपियों ने किया विवाद को साम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

बनभूलपुरा हिंसा मामले में जेल में बंद आरोपियों ने एक मामूली विवाद को साम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। इसके बाद जेल प्रशासन हरकत में आ गया और इन आरोपियों को जेल से शिफ्ट करने की कवायद शुरू कर दी। अब तक हल्द्वानी जेल से आधा दर्जन आरोपियों को अल्मोड़ा और हरिद्वार जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। साथ ही अभी और कई अन्य कैदियों को भी यहां से शिफ्ट करने की संभावना है।

बता दें कि 26 जुलाई को हिंसा के दो आरोपियों का एक अन्य बंदी से विवाद हो गया था पसीने की बदबू आने और दाढ़ी काटने के मामले में हल्द्वानी उप कारागार में जमकर विवाद हुआ था। 29 जुलाई इन्हीं हिंसा के आरोपियों ने मामले का सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। इस मामले की गाज एक बंदी रक्षक पर गाज भी गिरी और उसकी ड्यूटी एक माह के लिए कारागार द्वार पर लगा दी गई। हिंसा के आरोपियों ने बंदी रक्षक पर अभद्र भाषा इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। मामला जेल से बाहर आया तो एलआईयू और इंटेलीजेंस ने भी जांच शुरू कर दी। 30 जुलाई को आईजी जेल ने मामले में रिपोर्ट तलब कर ली। पुलिस, एलआईयू और इंटेलीजेंस की संयुक्त रिपोर्ट में सांप्रदायिक षड्यंत्र की बात सही पाई गई। माना गया कि यदि यह आरोपी साथ रहे तो दोबारा षड्यंत्र रच सकते हैं। इसको देखते हुए जेल प्रशासन ने तीन आरोपियों को अल्मोड़ा जेल और तीन को हरिद्वार जेल शिफ्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि आईज आईजी जेल विमला गुंज्याल के निर्देश पर छह आरोपियों को दूसरी जेलों में सोमवार सुबह शिफ्ट किया गया है।बनभूलपुरा हिंसा को सात माह से अधिक समय बीत चुका है। हिंसा के आरोप में अब तक 107 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन बंदियों को नैनीताल जिला कारागार और हल्द्वानी उप कारागार में रखा गया है. मुख्य आरोपी को छोड़कर सभी को हल्द्वानी जेल में रखा गया है।

ऐसे में हल्द्वानी जेल में क्षमता से अधिक बंदियों और कैदियों का बोझ उठा रही जिसको देखते हुए जून माह में बनभूलपुरा हिंसा के 13 आरोपियों को हल्द्वानी जेल से उधमसिंह नगर जिले की सितारगंज जेल में शिफ्ट किया गया था। उधर हल्द्वानी जेल बनभूलपुरा से नजदीक होने के कारण यहां मिलने वालों का तांता लगा रहता है. जिसके चलते जेल की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं।

NEWS / फटाफट

नैना देवी मंदिर में किया जनेऊ तर्पण

नैनीताल। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर नन्हे मुन्ने बच्चों में सुबह से ही खासा उत्साह देखने को मिला। भद्रा काल होने के कारण रक्षाबंधन और जनेऊ धारण करने का शुभ मुहूर्त दोपहर 1ः33 बजे से प्रारंभ हुआ जिसके बाद सभी ने धूमधाम से रक्षाबंधन का पर्व मनाया। भद्रा काल समाप्त होने के बाद सभी ने हर्षोल्लास के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। रक्षाबंधन के अवसर पर नैनीताल के मां नैना देवी मंदिर परिसर में भी जनेऊ तर्पण करने वालों की भीड़ रही। मां नैना देवी मंदिर में श्रावणी उपाकर्म (ऋषि तर्पण) का सामूहिक आयोजन प्रातः 11 बजे से किया गया जिसके बाद भद्रा काल समाप्त होने के बाद 1 बजकर 33 मिनट से जनेऊ धारण की गई।

रक्तदान शिविर का आयोजन

नैनीताल। देश की सरहद पर कई भाई ऐसे है जो पूरे देश की बहनों की रक्षा कर रहे हैं। अपने सैनिक भाईयों का मनोबल बढ़ाने के लिए हिमालयन एजुकेशनल रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसायटी (हर्डस) द्वारा रक्षाबंधन पर्व के शुभ अवसर पर स्व. बालकिशन देवकी जोशी चेरीटेबल ब्लड बैंक बसंत विहार, छोटी मुखानी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ.विनोद जोशी, डॉ.मनोज पांडे, डॉ.जीवन उपाध्याय, डॉ.गौतम रावत, तपन सुयाल, धीरज सुयाल, प्रो.अतुल जोशी, डॉ. एसडी तिवारी, नैनी श्री जोशी, अशोक उप्रेती, डॉ. पंकज उप्रेती, डॉ. पीएन तिवारी आदि उपस्थित रहे।

10 प्रतिशत शैतिज आरक्षण दिया जाने पर खुशी व्यक्त की

नैनीताल। सरोवर नगरी मे कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ कूटा ने उत्तराखंड सरकार के निर्णय की उत्तराखंड राज्य आंदोलन कारी तथा उनके आश्रित को 10 प्रतिशत शैतिज आरक्षण दिया जाने पर खुशी व्यक्त की है तथा सरकार का धन्यवाद दिया है। कूटा ने कहा है कि की ये आंदोलनकारी ही है जिन्होंने उत्तराखंड राज्य का निर्माण कराया। सरकार का यह सकारात्मक निर्णय है। कूटा ने कोलकाता की घटना पर नए कानून बनाने तथा सख्त सजा फांसी जैसे प्रावधान की मांग की है ताकि इस तरह की अमानवीय घटना की पुनरावृति न हो सके। कूटा ने डॉक्टर के आंदोलन को समर्थन दिया है। कूटा की तरफ से प्रॉफ ललित तिवारी ,प्रॉफ नीलू डॉक्टर विजय कुमार ,डॉक्टर दीपक कुमार, डॉक्टर दीपाक्षी जोशी, डॉक्टर संतोष कुमार ,डॉक्टर दीपिका गोस्वामी, डॉक्टर अनिल बिष्ट ,डॉक्टर पैनी जोशी ,डॉक्टर सीमा चौहान ,डॉक्टर दीपिका पंत, डॉक्टर नागेंद्र शर्मा ,डॉक्टर युगल जोशी ,डॉक्टर रितेश साह शामिल रहे।

खटीमा पहुंचे सीएम धामी ने लोगों की समस्याएं सुनी

खटीमा। खटीमा पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत हुआ। इस मौके पर रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों ने उनके निजी आवास नगरा तराई, खटीमा में राखी बांधकर अपना आशीष दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कैम्प कार्यालय, लोहिया हेड में जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। राज्य आंदोलनकारियों व उनके परिवारजनों ने राज्य आंदोलनकारियों के लिए 10प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के बिल पास होने पर सीएम का धन्यवाद देते हुए शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सीएम धामी ने लोहिया हेड हेलीपैड पर इंटरलॉकिंग टाईल्स के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस दौरान दर्जा राज्य मंत्री अनिल डब्बू, मंडी चेयरमैन नंदन सिंह खड़ायत, जिलाधिकारी उदय राज सिंह, एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी, सीडीओ मनीष कुमार, एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोड़के, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम रविन्द्र बिष्ट समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

21 को निगम का 49वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाएंगे

नैनीताल

हमारे संवाददाता

संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं मंडल विकास निगम के अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने कहा कि कुमाऊं मंडल विकास निगम की स्थापना 21 अगस्त 1976 को हुई थी। 21 अगस्त को निगम का 49वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जहां निगम के कर्मचारी वर्तमान में पूरे कुमाऊं मंडल विकास निगम की इकाइयों के परिसर में वृहद स्तर पर सफ ाई अभियान चलाएंगे। वहीं 21 अगस्त (बुधवार) को एक साथ समूचे कुमाऊँ मंडल में प्रति इकाई 10 पौधे के तहत कुमाऊं मंडल विकास निगम की सभी इकाइयों में 2000 पौधों का रोपण का लक्ष्य रखा गया है । इसी क्रम में पर्यटक आवास गृह भीमताल जहां पर मुख्यालय स्तर का स्थापना दिवस का कार्यक्रम रखा गया है उसके परिसर में 49 वां स्थापना दिवस के तहत 49 पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगम के इतिहास में पहली बार प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप तिवारी ने स्थापना दिवस मनाने की वर्ष 2023 से शुरुआत की, जिसके तहत उनके आदेश के क्रम में कर्मचारियों द्वारा जहां निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को हर जनपद में सम्मानित किया जाता है वहीं पर्यटकों के लिए आवास गृहों में विशेष छूट दी जाती है साथ ही गैस, रोपवे तथा केव गार्डन सहित निगम की अन्य इकाइयों में भी जनता को छूट दी जाती है। इसके लिए प्रबंध निदेशक द्वारा आदेश भी जारी किए गए हैं। दिनेश गुरुरानी ने महासंघ की ओर से डॉ. संदीप तिवारी द्वारा की जा रही पहल का स्वागत किया है साथ ही उनका आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस हर वर्ष धूमधाम से मनाया जाना चाहिए।

जन्मदिन पर पौधरोपण कर बृजवासी ने संदेश दिया

भीमताल। बेरोजगार संघ अध्यक्ष पूरन बृजवासी ने लोगों को संदेश देते हुए सोमवार को अपने जन्मदिन पर पौधे लगाए। इस दौरान भीमताल झील किनारे बने दीन दयाल पार्क में चिनार का पेड़ लगाकर सामाजिक कार्यकर्ता बेरोजगार संघ अध्यक्ष पूरन बृजवासी ने हिमालयन जन सेवा फाउंडेशन एवं स्थानीय लोगों के साथ अपना जन्मदिन यादगार मनाया और लोगों से अपील की कि अपने जन्मदिवस पर एक वृक्ष जरूर लगाए उसकी देखभाल कर उसे बड़ा करे, पार्क में लगाए पौधे को ट्री सेफ्टी गार्ड लगाकर सुरक्षित किया।

रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है: पूर्व विधायक शुक्ला

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है, इस पर्व के अवसर पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने किच्छा स्थित अपने आवास पर एक अनोखी पहल की। उन्होंने क्षेत्र की बहनों से राखी बंधवाकर न केवल उनका आशीर्वाद लिया, बल्कि इस पावन त्यौहार को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों से भी जोड़ा।

राजेश शुक्ला ने बहनों को एक-एक पौधा भेंट स्वरूप दिया और उनसे यह संकल्प लिया कि वे इस पौधे की उसी तरह रक्षा करेंगी जैसे भाई अपनी बहन की सुरक्षा का वचन देता है। यह पहल, पारंपरिक रक्षाबंधन को एक नई दिशा देने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास था। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राखी भाई और बहन के बीच विश्वास और समर्पण की डोर को मजबूत करती है, वैसे ही हमें अपने पर्यावरण की रक्षा भी पूरी निष्ठा से करनी चाहिए। इस विशेष अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का यह पवित्र पर्व न केवल हमें हमारे रिश्तों की अहमियत समझाता है, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। जिस प्रकार बहन अपने भाई के जीवन में उसकी रक्षा के लिए प्रार्थना करती है, हमें भी अपने समाज और प्रकृति की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। यह पहल न केवल एक सामाजिक संदेश थी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके समर्पण और जागरूकता को भी दर्शाती है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष आरती दुबे, पूर्व अध्यक्ष जानकी तिवारी, दया डसिला, कविता मान, सुनीता गंगवार, जश्मीरी देवी, कुसुम गंगवार, कमलेश गंगवार, शकुंतला देवी, सुमन देवी, दुपहरिया की महिला समूह अध्यक्ष ममता गंगवार, सावित्री, रेनू, पूनम , सविता देवी , पिंकी ,आरुषि, मुन्नी कश्यप, शकुंतला देवी, प्रवीण कौर, अंजू, निधि ,नेहा ,बबली ,रितु, जागृति , ओमवती गंगवार, रीता पांडे, रवीना गंगवार आदि महिलाएं पहुंची।